**Kiara**
Let's Make Life Happy

# Kiara Astrology Research Centre ®

**(Prime Report)**

ॐ गंग गणपतये नमः
**Call: 08674827268**

**Kiara ID:** 800 | | 4 61 **Date:** 04/05/2020 **Validity :** 1 Month Only

| | | |
|---|---|---|
| **नाम:** Sayat mishra | **जन्म तिथि:** 06/08/1987 | **जन्म समय:** 12:40 AM |
| **जन्म स्थान:** Patna, Bihar | **मांगलिक योग:** NO (नहीं) | **इष्ट देव:** Lord Ganesh |
| **लग्न:** Vrishabh (वृष) | **राशि:** Vrishchik | **नक्षत्र:** Jyeshtha - 4 |

**1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :**

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

| S.No | योग कारक (अच्छा) ग्रह | शुभ फल देने की क्षमता | मारक (शत्रु) ग्रह | अशुभ फल देने की क्षमता |
|---|---|---|---|---|
| 1. | Shukra (अच्छा) | 30% | Budh | 25% |
| 2. | Shani (व) | 80% | Mangal (नीच) (अच्छा) | 25% |
| 3. | Ketu (व) | 80% | Surya | 70% |
| 4. | | | Chandra (नीच) | 25% |
| 5. | | | Guru | 30% |
| 6. | | | Rahu (व) | 80% |

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

**2. राजयोग (अच्छा योग):** NA, मेहनत से अर्जित होंगी सुख सुविधा। ओपल अवश्य धारण करें। जीवन में मारक ग्रहों का दान व उपाय regular करने से समस्याऐं (80%) समाप्त होंगी।

**3. कुण्डली दोष:** विष योग, सूर्यग्रहण योग, चन्द्रग्रहण योग अंगारक योग शादी में परेशानी होगी तथा मन अशान्त रहेगा।

**4. शुभ दिन:** शुक्रवार, शनिवार

**5. शुभ रंग:** काला, सफेद। अशुभ: (लाल, मरून, पीला), नीला आदि।

**6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):**

| Gemstones (रत्न) | Ratti | Hand | Finger | Details |
|---|---|---|---|---|
| 1. ओपल (Opal) | 8+ | Right | Middle | चाँदी में शुक्रवार को धारण करें। (8:15 AM) पर। |
| 2. | | | | |
| 3. | | | | |

**Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee),** Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

**7. वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):**

मूंगा, मोती, माणिक, पन्ना, गोमेद, पुखराज (पीला) आदि रत्न वर्जित है।

**नोट :** रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

**8. रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु)** : शुक्रदेव का रत्न ओपल धारण करने से शरीर में रोग कम होंगे तथा Career/Job के लिए भी अच्छा रहेगा।

**9. रोग – विश्लेषण:** (रोगों के कारक ग्रह)

आधुनिक समय के भाग - दौड़ एवं वयस्तता भरे जीवन मे प्रत्येक मनुष्य अपनी आकांछाओं और धन - प्राप्ति के पीछे ऐसा वयस्त है कि वह पूर्णतः अपने खान - पान, रहन-सहन और जीवन शैली पर सही ध्यान नहीं दे पता। इसलिए हर मनुष्य अपने स्वास्थय - सम्बन्धी छोटी-छोटी परेशनियों से भी साथ - साथ संघर्ष करता रहता है। Kiara Astrology के माध्यम से हम यह प्रयास करने की कोशिश कर रहे है कि आप ज्योतिष-विद्या के माध्यम से साधारण उपायों द्वारा अपने रोग - सम्बन्धी समस्यायो को कम कर पायँ एवं स्वयं के जीवन को जीने लायक बना सकें।

जन्म कुंडली मे छठा (6th ) भाव रोग भाव होता है और छठे भाव का स्वामी रोगेष कहलाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक लग्न कुंडली मे रोग -भाव तथा रोगेष का विश्लेषण करने का तरीका बदल जाता है।

**सूर्य देव** : हड्डिओं के रोग , हृदय रोग , आँखों सम्बन्धी रोग।

**चन्द्रमा देव** : मानसिक रोग, आँखों के रोग, शरीर व पेट के जल सम्बन्धी रोग, निमोनिया , फेफड़ो के रोग

**मंगल देव** : खून से सम्बंधित रोग, ब्लड प्रेसर, शुगर, थायरॉइड, कॉलिस्ट्रोल, शारीरिक शक्ति, माँसपेशिओ के रोग

**बुध देव** : त्वचा से सम्बंधित रोग, यादाश्त सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, तुतलाना, हकलाना, व कंठ के रोग।



Scanned with CamScanner

| | | |
|---|---|---|
| **बृहस्पति देव** | : | लीवर, चर्बी, किडनी, मोटापा सम्बन्धी रोग। |
| **शुक्र देव** | : | गुप्तांग सम्बन्धी रोग, नपुंसकता। |
| **शनि देव** | : | शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, लम्बी बीमारी। |
| **राहु देव** | : | सभी तरह की संक्रामकता, कुष्ठ रोग, अपगता, पागलपन, वहम। |
| **केतु देव** | : | रीढ़ की हड्डी, हड्डिओं के बीच में तरलता, कैंसर, बबासीर, फोड़े- फुन्सी, दाँत सम्बन्धी रोग। |

**10. रोग कम करने के लिए दान :** सूर्य, चन्द्र, राहु, बुध के दान करने से शरीर गुरु से पूरी तरह रोगों को समाप्त किया जा सकता है।

**Comments:**

Down to earth रहेंगे। अपनी बड़ाई कभी नहीं करेंगे। Decision होने में कहीं ना कहीं स्थिरता रहेगी।, Agressive, जिद्दी Nature हो जाएगा। गुस्सा जल्दी आएगा। भड़कीला स्वभाव Sometimes. मन अशान्त रहेगा।

शादी में समस्या होगी। क्योंकि मंगल अस्त अवस्था में। शादी में विलम्ब होगा। हनुमान जी का पाठ पूजन अवश्य करें, सिन्दूर चढ़ाएं हनुमान जी को, पान के पत्ते व चोला भी चढ़ाएं।

सोमवार को चन्द्र का दान अवश्य करें। दूध, चीनी, चावल किसी गरीब को दान करें। शादी में हो रही समस्या दूर होगी।

फिजूल की मेहनत काफी होगी। मेहनत के according results ना के बराबर मिलेंगे। लाभ में कमी रहेगी तथा मन की इच्छाएं पूर्ण नहीं होंगी। गुरु के उपाय करें; केले के पेड़ की पूजा करने से, हल्दी की गांठ जल प्रवाह करने से धन-लाभ में वृद्धि होगी।

8 शनिवार तथा अमावस्या को राहु का दान "चाय की पत्ती" अवश्य करें।



Scanned with CamScanner

**11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :**

सूर्य की महादशा : 27/03/2017 to 27/03/2023 : खराब दशा (80%)

↳ हड्डियों से सम्बन्धित समस्या रहेगी, सिर्फ Hardwork रहेगा।
बहुत मेहनत के बाद भी results में कमी रहेगी।
Heart, Liver पर सूर्य की Negative energy बुरा असर डालेगी।
सूर्य को रोजाना जल दें तथा सूर्य के जाप व दान अवश्य करें।
दान व जाप हर रविवार को अवश्य करें।

सूर्य/शनि :- 01/02/2020 to 12/01/2021 : सामान्य समय
(अच्छा समय - 70%)

* सूर्य/शनि/बुध :- 27/03/20 to 14/05/20 : खराब दशा (40%)
(बुध तथा सूर्य के जाप व दान अवश्य करें!)

* सूर्य/शनि/केतु : 15/05/20 to 04/06/20 : अच्छा समय (80%)
(सूर्य के जाप करें!)

सूर्य/शनि/शुक्र : 05/06/20 to 01/08/20 : अच्छी दशा (80%)
(सूर्य के जाप अवश्य करें!)

सूर्य/शनि/सूर्य : 02/08/20 to 18/08/20 : खराब दशा (40%)
→ (सूर्य के जाप करना है)

19/08/20 to 06/10/20 :- रिश्तो के लिए अच्छा समय रहेगा
शादी के योग बन सकते हैं।
हनुमान जी पर सिन्दूर अवश्य चढ़ाएं।

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book - Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. Office Address (Head Office): Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

**कुंडली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :**

| ग्रह | उपाय & दान |
|---|---|
| **सूर्य देव के उपाय:**<br><br>**(रविवार को करना है)** | सूर्य देव को जल देना, तांबे का सिक्का जल प्रवाह करना, शक्कर चींटियों को डालना, ब्रह्म देव की उपासना करना, माणिक जल प्रवाह करना। **नोट:- पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।**<br><br>**सूर्य देव के मंत्र का जाप करें। (ऊँ सूर्याय नमः )** |
| **चंद्र देव के उपाय:**<br><br>**(सोमवार को करना है)** | दूध दान करना, चावल दान करना, मिश्री दान करना, चीनी दान करना या चींटियों को डालना, श्वेत वस्तु (वस्त्र, फूल) दान करना, मोती दान या जल प्रवाह करना। **नोट:- माता या माता तुल्य स्त्रियों से मधुर संबंध रखना, उनसे आशीर्वाद लेना, उनकी सेवा करने से चंद्र देव प्रसन्न होते हैं।**<br><br>सोमवार को दूध या जल शिवलिंग पर चढ़ायें और शिव जी पूजा करें।<br>चंद्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ सों सोमाय नमः )** |
| **मंगल देव के उपाय:**<br><br>**(मंगलवार को करना है)** | हनुमान जी को सिन्दूर चढ़ाना , हनुमान जी को चोला चढ़ाना, लाल चीज का दान, टमाटर का दान, गाजर का दान, अनार का दान, शक्कर चींटियों को डालना, लाल सूखी मिर्च जल प्रवाह करना, मूँगा जल प्रवाह करना, हनुमान जी को पान के पत्ते चढना। **नोट:- छोटे भाई या छोटे भाई तुल्य व्यक्ति से मधुर संबंध रखना, ख्याल रखने से मंगल देव प्रसन्न होते हैं।**<br><br>मंगल देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ भुं भौमाय नमः अथवा ऊँ अं अंगारकाय नमः )**<br><br>**(संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो।**<br>**कौन सो संकट मोर गरीब को ,जो तुमसे नहिं जात है तारो ॥)** |
| **बुद्ध देव के उपाय:**<br><br>**(बुधवार को करना है)** | हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाज़रा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने को देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई, चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।**<br><br>बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ऊँ गंग गणपतये नमः )** |
| **बृहस्पति देव के उपाय:**<br><br>**(बृहस्पतिवार को करना है)** | शक्कर का दान या चींटियों को डालना, बेसन के लड्डू का दान करना, केले, हल्दी का दान करना, केले क पेड़ को जल देना और सेवा करना, चने की दाल का दान करना, गेंदे का फूल मन्दिर में चढ़ाना, धार्मिक और ज्ञानवर्धक पुस्तके बांटना, सुनेला जल प्रवाह करना, पापीती का दान करना। **नोट:- बुजुर्गो की सेवा करना, गुरूजनो का सम्मान करना, पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।**<br>बृहस्पतिवार को हल्दी की पीली गाँठे जल प्रवाह करें और बृहस्पति देव के मंत्र का जाप करें।<br>**(ऊँ बृं बृहस्पतये नमः )** |

| | |
|---|---|
| **राहु देव के उपाय:**<br><br>**(शनिवार को करना है)** | चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना।<br><br>शनिवार को चाय की पत्ती (100gm), १ अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।**<br><br>रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ रां राहवे नमः )** |

**नोट: अमावश्या** के दिन किसी भी समय (दिन/रात) चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान (राहु के लिए का दान अवश्य करें।

**नोट:** यदि परिवार में कलह - कलेश हो रहा हो और स्थित बिगड़ने वाली हो तो उस वक्त कोई भी परिवार का सदस्य मन ही मन २० मिनट तक नीचे दिए गये मंत्र का जाप अवश्य करें। संकटमोचन हनुमान जी आपकी अवश्य मदद करेंगे और स्थित सामान्य होने लगेगी। (हनुमान जी का पाठ पूजन महिलाएं भी कर सकती हैं। क्यूंकि हनुमान जी ने अपनी छाती चीर कर दिखा दी थी कि उनके हृदय में प्रभु राम और सीता माता दोनों एक साथ रहते हैं6 ।)

**मंत्र : संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसे नहिं जात है टारो॥**

ॐ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 80011461 Date: 04/05/2020

# Sanjeet Mishra

06 Aug 1987 12:40 AM

Patna

**Kiara Astrology Research Centre ®**
**Somvir Singh (Celebrity & Family Astrologer)**
Shop - 39, First Floor, Shree Jagdish Complex, Near Chandani Chowk, Hatia, Ranchi - 834004
+91-8674827268, +91-8789981729
Website: www.KiaraAstrology.in, Email: KiaraAstrology@gmail.com

# Sanjeet Mishra

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 80011461

Date: 04/05/2020

| | |
|---|---|
| लिंग | : पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | : **5-06/08/1987** |
| दिन | : बुध–गुरुवार |
| **जन्म समय** | : **00:40:00 ांटे** |
| इष्ट | : 48:26:36 घटी |
| **स्थान** | : **Patna** |
| राज्य | : Bihar |
| देश | : India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | : 25:37:00 उत्तर |
| रेखांश | : 85:12:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | : 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | : 00:10:48 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | : 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | : 00:50:48 घंटे |
| वेलान्तर | : -00:06:02 घंटे |
| साम्पातिक काल | : 21:46:00 घंटे |
| सूर्योदय | : 05:17:21 घंटे |
| सूर्यास्त | : 18:32:40 घंटे |
| दिनमान | : 13:15:19 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | : दक्षिणायन |
| सूर्य स्थिति(गोल) | : उत्तर |
| ऋतु | : वर्षा |
| सूर्य के अंश | : 19:08:56 कर्क |
| लग्न के अंश | : 15:35:10 वृष |

| | |
|---|---|
| चैत्रादि संवत / शक | : 2044 / 1909 |
| मास | : श्रावण |
| पक्ष | : शुक्ल |
| सूर्योदय कालीन तिथि | : 10 |
| तिथि समाप्ति काल | : 09:02:53 |
| जन्म तिथि | : 11 |
| सूर्योदय कालीन नक्षत्र | : अनुराधा |
| नक्षत्र समाप्ति काल | : 05:55:24 घंटे |
| जन्म नक्षत्र | : ज्येष्ठा |
| सूर्योदय कालीन योग | : ऐन्द्र |
| योग समाप्ति काल | : 24:01:51 घंटे |
| जन्म योग | : वैधृति |
| सूर्योदय कालीन करण | : गर |
| करण समाप्ति काल | : 09:02:53 घंटे |
| जन्म करण | : विष्टि |
| भयात | : 46:51:29 |
| भभोग | : 55:21:22 |
| भोग्य दशा काल | : बुध 2 वर्ष 7 मा 20 दि |

| **अवकहड ा चक्र** | |
|---|---|
| लग्न–लग्नाधिपति | : वृष – शुक्र |
| **राशि–स्वामी** | : **वृश्चिक – मंगल** |
| **नक्षत्र–चरण** | : **ज्येष्ठा – 4** |
| नक्षत्र स्वामी | : बुध |
| योग | : वैधृति |
| करण | : विष्टि |
| गण | : राक्षस |
| योनि | : मृग |
| नाड़ी | : आद्य |
| वर्ण | : विप्र |
| वश्य | : कीटक |
| वर्ग | : मृग |
| युँजा | : अन्त्य |
| हंसक | : जल |
| जन्म नामाक्षर | : यू–युवराज |
| पाया(राशि–नक्षत्र) | : ताम्र – ताम्र |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | : सिंह |

| **ाात चक्र** | |
|---|---|
| मास | : आश्विन |
| तिथि | : 1-6-11 |
| दिन | : शुक्रवार |
| नक्षत्र | : रेवती |
| योग | : व्यतिपात |
| करण | : गर |
| प्रहर | : 1 |
| वर्ग | : सिंह |
| लग्न | : वृश्चिक |
| सूर्य | : मकर |
| चन्द्र | : वृष |
| मंगल | : कुम्भ |
| बुध | : वृश्चिक |
| गुरु | : मीन |
| शुक्र | : मेष |
| शनि | : कर्क |
| राहु | : वृष |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | वृष | 15:35:10 | 368:22:36 | रोहिणी | 2 | 4 | शुक्र | चंद्र | गुरु | ——— |
| सूर्य | | | कर्क | 19:08:56 | 00:57:27 | आश्लेषा | 1 | 9 | चंद्र | बुध | केतु | मित्र राशि |
| चंद्र | | | वृश्चि | 27:55:47 | 14:35:17 | ज्येष्ठा | 4 | 18 | मंगल | बुध | शनि | नीच राशि |
| मंगल | | अ | कर्क | 25:29:19 | 00:38:09 | आश्लेषा | 3 | 9 | चंद्र | बुध | राहु | नीच राशि |
| बुध | | | कर्क | 04:19:27 | 01:47:57 | पुष्य | 1 | 8 | चंद्र | शनि | शनि | शत्रु राशि |
| गुरु | | | मेष | 05:43:18 | 00:02:45 | अश्विनी | 2 | 1 | मंगल | केतु | राहु | मित्र राशि |
| शुक्र | | अ | कर्क | 14:20:27 | 01:13:58 | पुष्य | 4 | 8 | चंद्र | शनि | राहु | शत्रु राशि |
| शनि | व | | वृश्चि | 20:59:51 | 00:01:17 | ज्येष्ठा | 2 | 18 | मंगल | बुध | शुक्र | शत्रु राशि |
| राहु | व | | मीन | 09:59:41 | 00:05:31 | उ०भाद्रपद | 2 | 26 | गुरु | शनि | शुक्र | सम राशि |
| केतु | व | | कन्या | 09:59:41 | 00:05:31 | उ०फाल्गुनी | 4 | 12 | बुध | सूर्य | शुक्र | शत्रु राशि |
| हर्ष | व | | वृश्चि | 29:19:47 | 00:01:17 | ज्येष्ठा | 4 | 18 | मंगल | बुध | शनि | ——— |
| नेप | व | | धनु | 12:00:14 | 00:01:12 | मूल | 4 | 19 | गुरु | केतु | बुध | ——— |
| प्लूटो | | | तुला | 13:33:49 | 00:00:38 | स्वाति | 3 | 15 | शुक्र | राहु | बुध | ——— |
| दशम भाव | | | कुंभ | 00:30:33 | -- | धनिष्ठा | -- | 23 | शनि | मंगल | बुध | -- |

**व – वक्री स – स्थिर**

**अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त**

**राहु स्पष्ट**

**चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:01**

## लग्न–चलित

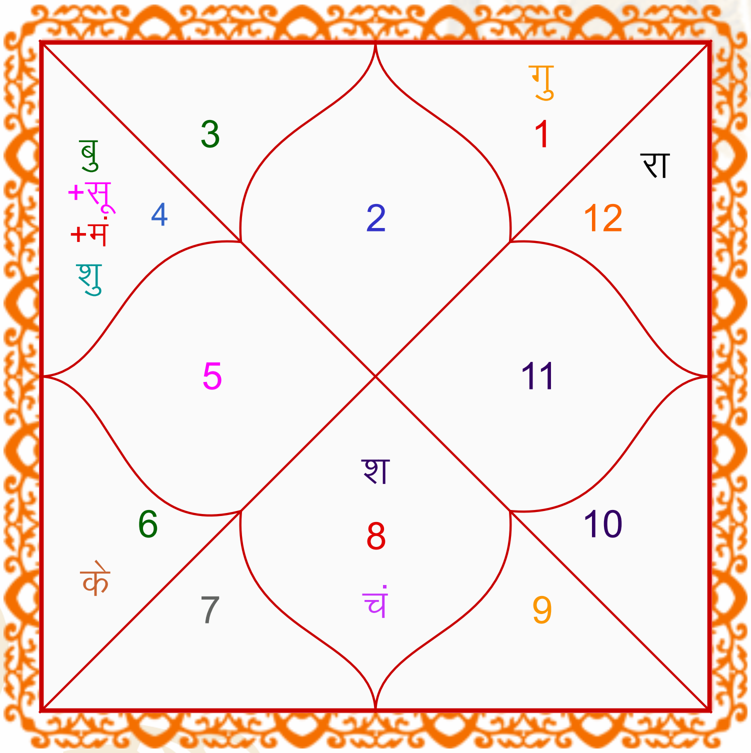


## चन्द्र कुंडली

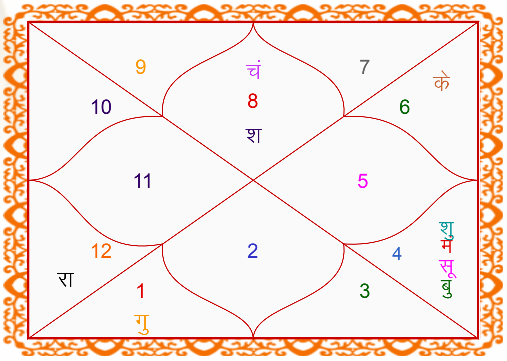


## नवमांश कुंडली

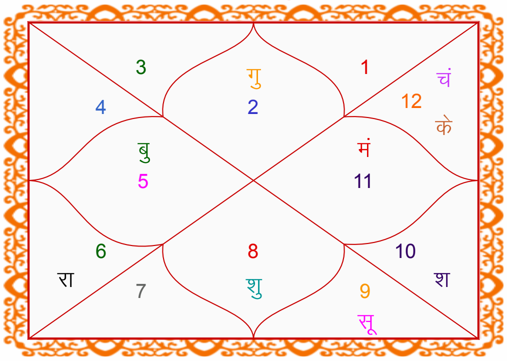

# षट्बल तथा भावबल सारिणी

## षट्बल

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| उच्च बल | 27 | 8 | 1 | 36 | 30 | 24 | 50 |
| सप्तवर्गज बल | 94 | 56 | 77 | 32 | 94 | 45 | 75 |
| ओजयुग्मक बल | 15 | 30 | 15 | 15 | 15 | 30 | 0 |
| केन्द्र बल | 15 | 60 | 15 | 15 | 15 | 15 | 60 |
| द्रेष्काण बल | 0 | 15 | 0 | 0 | 15 | 0 | 0 |
| कुल स्थान बल | 151 | 170 | 108 | 98 | 169 | 114 | 185 |
| कुल दिग्बल | 4 | 21 | 2 | 44 | 47 | 55 | 58 |
| नतोन्नत बल | 4 | 56 | 56 | 60 | 4 | 4 | 56 |
| पक्ष बल | 17 | 86 | 17 | 17 | 43 | 43 | 17 |
| त्रिभाग बल | 0 | 0 | 0 | 0 | 60 | 60 | 0 |
| अब्द बल | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 15 |
| मास बल | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 30 |
| वार बल | 0 | 0 | 0 | 45 | 0 | 0 | 0 |
| होरा बल | 60 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अयन बल | 104 | 60 | 50 | 56 | 45 | 54 | 59 |
| युद्ध बल | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| कुल कालबल | 185 | 202 | 123 | 179 | 151 | 160 | 177 |
| कुल चेष्टाबल | 0 | 0 | 2 | 15 | 23 | 2 | 40 |
| कुल नैसर्गिक बल | 60 | 51 | 17 | 26 | 34 | 43 | 9 |
| कुल दृग्बल | 10 | -1 | 10 | 12 | -9 | 11 | -7 |
| कुल षट्बल | 410 | 442 | 261 | 373 | 416 | 385 | 462 |
| रूप षट्बल | 6.8 | 7.4 | 4.3 | 6.2 | 6.9 | 6.4 | 7.7 |
| न्यूनतम आवश्यकता | 5 | 6 | 5 | 7 | 7 | 6 | 5 |
| अनुपात | 1.4 | 1.2 | 0.9 | 0.9 | 1.1 | 1.2 | 1.5 |
| संबंधित पद | 2 | 3 | 7 | 6 | 5 | 4 | 1 |

## इष्ट फल

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| इष्ट फल | 35.10 | 18.89 | 1.16 | 23.30 | 26.58 | 7.57 | 44.76 |
| कष्ट फल | 21.72 | 29.71 | 58.77 | 32.59 | 33.02 | 45.41 | 14.25 |

## भाव बल

| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भावाधिपति बल | 385 | 373 | 442 | 410 | 373 | 385 | 261 | 416 | 462 | 462 | 416 | 261 |
| भावदिग्बल | 30 | 50 | 50 | 0 | 20 | 10 | 60 | 10 | 50 | 30 | 10 | 40 |
| भावदृष्टि बल | 0 | 21 | 46 | 33 | 35 | 93 | 46 | 65 | 101 | 22 | 16 | 7 |
| कुल भाव बल | 415 | 444 | 538 | 443 | 428 | 489 | 366 | 491 | 613 | 514 | 442 | 308 |
| रूप भाव बल | 6.9 | 7.4 | 9.0 | 7.4 | 7.1 | 8.1 | 6.1 | 8.2 | 10.2 | 8.6 | 7.4 | 5.1 |
| संबंधित पद | 10 | 6 | 2 | 7 | 9 | 5 | 11 | 4 | 1 | 3 | 8 | 12 |

# भाव बल ग्राफ

## भावाधिपति बल

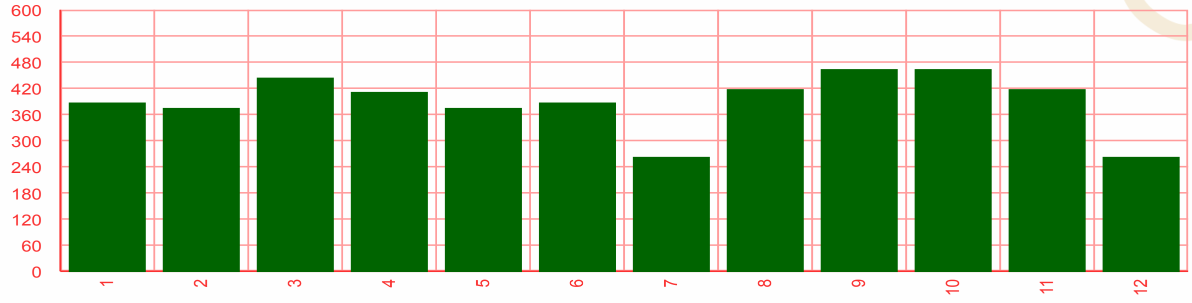


## भावदिग्बल

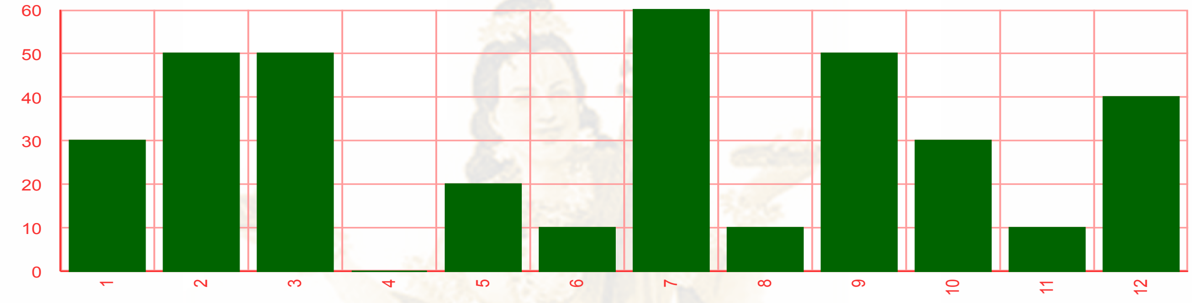


## भावदृष्टि बल

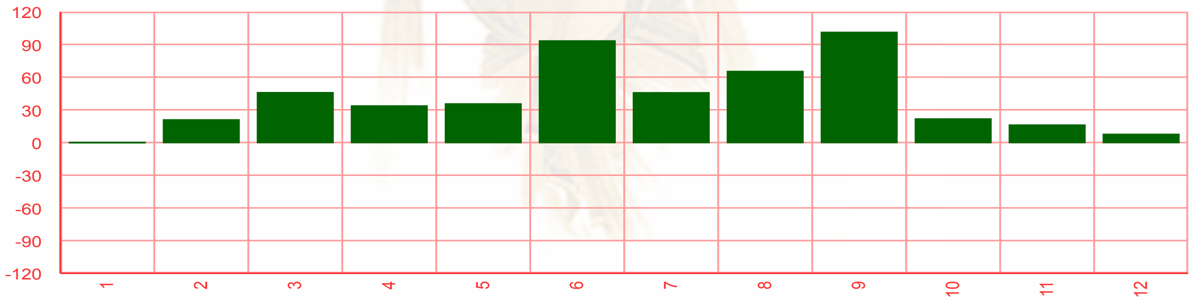


## भाव बल

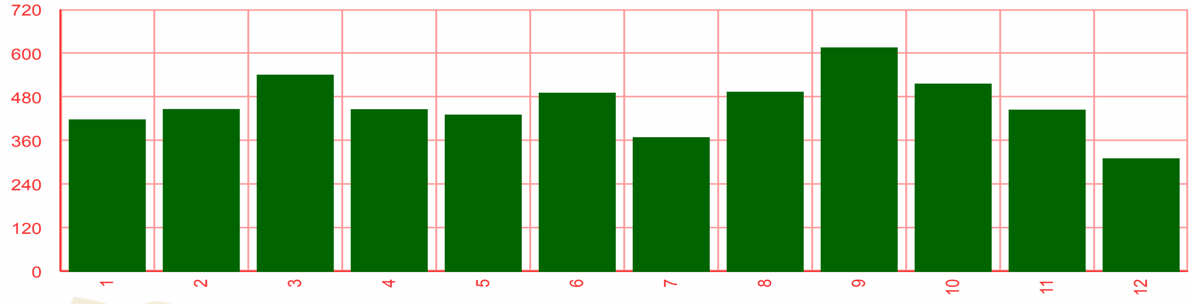

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : बुध 2 वर्ष 7 मास 20 दिन

| बुध 17 वर्ष | |
|---|---|
| 06/08/1987 | |
| 27/03/1990 | |
| | 00/00/0000 |
| | 00/00/0000 |
| | 00/00/0000 |
| | 00/00/0000 |
| | 00/00/0000 |
| | 00/00/0000 |
| | 00/00/0000 |
| | 06/08/1987 |
| शनि | 27/03/1990 |

| केतु 7 वर्ष | |
|---|---|
| 27/03/1990 | |
| 26/03/1997 | |
| केतु | 23/08/1990 |
| शुक्र | 23/10/1991 |
| सूर्य | 28/02/1992 |
| चंद्र | 28/09/1992 |
| मंगल | 24/02/1993 |
| राहु | 14/03/1994 |
| गुरु | 18/02/1995 |
| शनि | 29/03/1996 |
| बुध | 26/03/1997 |

| शुक्र 20 वर्ष | |
|---|---|
| 26/03/1997 | |
| 26/03/2017 | |
| शुक्र | 26/07/2000 |
| सूर्य | 26/07/2001 |
| चंद्र | 27/03/2003 |
| मंगल | 26/05/2004 |
| राहु | 27/05/2007 |
| गुरु | 25/01/2010 |
| शनि | 26/03/2013 |
| बुध | 25/01/2016 |
| केतु | 26/03/2017 |

| सूर्य 6 वर्ष | |
|---|---|
| 26/03/2017 | |
| 27/03/2023 | |
| सूर्य | 14/07/2017 |
| चंद्र | 13/01/2018 |
| मंगल | 20/05/2018 |
| राहु | 14/04/2019 |
| गुरु | 31/01/2020 |
| शनि | 12/01/2021 |
| बुध | 19/11/2021 |
| केतु | 27/03/2022 |
| शुक्र | 27/03/2023 |

| चंद्र 10 वर्ष | |
|---|---|
| 27/03/2023 | |
| 26/03/2033 | |
| चंद्र | 25/01/2024 |
| मंगल | 25/08/2024 |
| राहु | 24/02/2026 |
| गुरु | 26/06/2027 |
| शनि | 24/01/2029 |
| बुध | 26/06/2030 |
| केतु | 25/01/2031 |
| शुक्र | 25/09/2032 |
| सूर्य | 26/03/2033 |

| मंगल 7 वर्ष | |
|---|---|
| 26/03/2033 | |
| 26/03/2040 | |
| मंगल | 23/08/2033 |
| राहु | 10/09/2034 |
| गुरु | 17/08/2035 |
| शनि | 25/09/2036 |
| बुध | 22/09/2037 |
| केतु | 18/02/2038 |
| शुक्र | 20/04/2039 |
| सूर्य | 26/08/2039 |
| चंद्र | 26/03/2040 |

| राहु 18 वर्ष | |
|---|---|
| 26/03/2040 | |
| 27/03/2058 | |
| राहु | 07/12/2042 |
| गुरु | 02/05/2045 |
| शनि | 08/03/2048 |
| बुध | 25/09/2050 |
| केतु | 14/10/2051 |
| शुक्र | 14/10/2054 |
| सूर्य | 07/09/2055 |
| चंद्र | 08/03/2057 |
| मंगल | 27/03/2058 |

| गुरु 16 वर्ष | |
|---|---|
| 27/03/2058 | |
| 27/03/2074 | |
| गुरु | 14/05/2060 |
| शनि | 25/11/2062 |
| बुध | 02/03/2065 |
| केतु | 06/02/2066 |
| शुक्र | 07/10/2068 |
| सूर्य | 26/07/2069 |
| चंद्र | 25/11/2070 |
| मंगल | 01/11/2071 |
| राहु | 27/03/2074 |

| शनि 19 वर्ष | |
|---|---|
| 27/03/2074 | |
| 26/03/2093 | |
| शनि | 29/03/2077 |
| बुध | 08/12/2079 |
| केतु | 15/01/2081 |
| शुक्र | 17/03/2084 |
| सूर्य | 27/02/2085 |
| चंद्र | 28/09/2086 |
| मंगल | 07/11/2087 |
| राहु | 13/09/2090 |
| गुरु | 26/03/2093 |

| बुध 17 वर्ष | |
|---|---|
| 26/03/2093 | |
| 07/08/2107 | |
| बुध | 23/08/2095 |
| केतु | 19/08/2096 |
| शुक्र | 20/06/2099 |
| सूर्य | 27/04/2100 |
| चंद्र | 26/09/2101 |
| मंगल | 23/09/2102 |
| राहु | 12/04/2105 |
| गुरु | 18/07/2107 |
| शनि | 07/08/2107 |

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 2 वर्ष 7 मा 10 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

| सूर्य - शनि | |
|---|---|
| 31/01/2020 | |
| 12/01/2021 | |
| शनि | 26/03/2020 |
| बुध | 14/05/2020 |
| केतु | 04/06/2020 |
| शुक्र | 01/08/2020 |
| सूर्य | 18/08/2020 |
| चंद्र | 16/09/2020 |
| मंगल | 06/10/2020 |
| राहु | 27/11/2020 |
| गुरु | 12/01/2021 |

| सूर्य - बुध | |
|---|---|
| 12/01/2021 | |
| 19/11/2021 | |
| बुध | 25/02/2021 |
| केतु | 15/03/2021 |
| शुक्र | 06/05/2021 |
| सूर्य | 22/05/2021 |
| चंद्र | 17/06/2021 |
| मंगल | 05/07/2021 |
| राहु | 20/08/2021 |
| गुरु | 01/10/2021 |
| शनि | 19/11/2021 |

| सूर्य - केतु | |
|---|---|
| 19/11/2021 | |
| 27/03/2022 | |
| केतु | 26/11/2021 |
| शुक्र | 18/12/2021 |
| सूर्य | 24/12/2021 |
| चंद्र | 04/01/2022 |
| मंगल | 11/01/2022 |
| राहु | 30/01/2022 |
| गुरु | 16/02/2022 |
| शनि | 09/03/2022 |
| बुध | 27/03/2022 |

| सूर्य - शुक्र | |
|---|---|
| 27/03/2022 | |
| 27/03/2023 | |
| शुक्र | 26/05/2022 |
| सूर्य | 14/06/2022 |
| चंद्र | 14/07/2022 |
| मंगल | 05/08/2022 |
| राहु | 28/09/2022 |
| गुरु | 16/11/2022 |
| शनि | 13/01/2023 |
| बुध | 06/03/2023 |
| केतु | 27/03/2023 |

| चंद्र - चंद्र | |
|---|---|
| 27/03/2023 | |
| 25/01/2024 | |
| चंद्र | 21/04/2023 |
| मंगल | 09/05/2023 |
| राहु | 24/06/2023 |
| गुरु | 03/08/2023 |
| शनि | 20/09/2023 |
| बुध | 03/11/2023 |
| केतु | 20/11/2023 |
| शुक्र | 10/01/2024 |
| सूर्य | 25/01/2024 |

| चंद्र - मंगल | |
|---|---|
| 25/01/2024 | |
| 25/08/2024 | |
| मंगल | 07/02/2024 |
| राहु | 10/03/2024 |
| गुरु | 07/04/2024 |
| शनि | 11/05/2024 |
| बुध | 10/06/2024 |
| केतु | 22/06/2024 |
| शुक्र | 28/07/2024 |
| सूर्य | 08/08/2024 |
| चंद्र | 25/08/2024 |

| चंद्र - राहु | |
|---|---|
| 25/08/2024 | |
| 24/02/2026 | |
| राहु | 15/11/2024 |
| गुरु | 28/01/2025 |
| शनि | 24/04/2025 |
| बुध | 11/07/2025 |
| केतु | 12/08/2025 |
| शुक्र | 11/11/2025 |
| सूर्य | 09/12/2025 |
| चंद्र | 23/01/2026 |
| मंगल | 24/02/2026 |

| चंद्र - गुरु | |
|---|---|
| 24/02/2026 | |
| 26/06/2027 | |
| गुरु | 30/04/2026 |
| शनि | 16/07/2026 |
| बुध | 23/09/2026 |
| केतु | 22/10/2026 |
| शुक्र | 11/01/2027 |
| सूर्य | 04/02/2027 |
| चंद्र | 17/03/2027 |
| मंगल | 14/04/2027 |
| राहु | 26/06/2027 |

| चंद्र - शनि | |
|---|---|
| 26/06/2027 | |
| 24/01/2029 | |
| शनि | 26/09/2027 |
| बुध | 17/12/2027 |
| केतु | 19/01/2028 |
| शुक्र | 25/04/2028 |
| सूर्य | 24/05/2028 |
| चंद्र | 11/07/2028 |
| मंगल | 14/08/2028 |
| राहु | 08/11/2028 |
| गुरु | 24/01/2029 |

| चंद्र - बुध | |
|---|---|
| 24/01/2029 | |
| 26/06/2030 | |
| बुध | 08/04/2029 |
| केतु | 08/05/2029 |
| शुक्र | 02/08/2029 |
| सूर्य | 28/08/2029 |
| चंद्र | 10/10/2029 |
| मंगल | 09/11/2029 |
| राहु | 26/01/2030 |
| गुरु | 05/04/2030 |
| शनि | 26/06/2030 |

| चंद्र - केतु | |
|---|---|
| 26/06/2030 | |
| 25/01/2031 | |
| केतु | 08/07/2030 |
| शुक्र | 13/08/2030 |
| सूर्य | 24/08/2030 |
| चंद्र | 10/09/2030 |
| मंगल | 23/09/2030 |
| राहु | 25/10/2030 |
| गुरु | 22/11/2030 |
| शनि | 26/12/2030 |
| बुध | 25/01/2031 |

| चंद्र - शुक्र | |
|---|---|
| 25/01/2031 | |
| 25/09/2032 | |
| शुक्र | 06/05/2031 |
| सूर्य | 06/06/2031 |
| चंद्र | 27/07/2031 |
| मंगल | 31/08/2031 |
| राहु | 30/11/2031 |
| गुरु | 20/02/2032 |
| शनि | 26/05/2032 |
| बुध | 20/08/2032 |
| केतु | 25/09/2032 |

| चंद्र - सूर्य | |
|---|---|
| 25/09/2032 | |
| 26/03/2033 | |
| सूर्य | 04/10/2032 |
| चंद्र | 19/10/2032 |
| मंगल | 30/10/2032 |
| राहु | 26/11/2032 |
| गुरु | 20/12/2032 |
| शनि | 18/01/2033 |
| बुध | 13/02/2033 |
| केतु | 24/02/2033 |
| शुक्र | 26/03/2033 |

| मंगल - मंगल | |
|---|---|
| 26/03/2033 | |
| 23/08/2033 | |
| मंगल | 04/04/2033 |
| राहु | 26/04/2033 |
| गुरु | 16/05/2033 |
| शनि | 09/06/2033 |
| बुध | 30/06/2033 |
| केतु | 09/07/2033 |
| शुक्र | 03/08/2033 |
| सूर्य | 10/08/2033 |
| चंद्र | 23/08/2033 |

| मंगल - राहु | |
|---|---|
| 23/08/2033 | |
| 10/09/2034 | |
| राहु | 19/10/2033 |
| गुरु | 09/12/2033 |
| शनि | 08/02/2034 |
| बुध | 03/04/2034 |
| केतु | 26/04/2034 |
| शुक्र | 29/06/2034 |
| सूर्य | 18/07/2034 |
| चंद्र | 19/08/2034 |
| मंगल | 10/09/2034 |

# विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

| मंगल - गुरु | |
|---|---|
| 10/09/2034 | 17/08/2035 |
| गुरु | 25/10/2034 |
| शनि | 18/12/2034 |
| बुध | 05/02/2035 |
| केतु | 25/02/2035 |
| शुक्र | 22/04/2035 |
| सूर्य | 09/05/2035 |
| चंद्र | 07/06/2035 |
| मंगल | 27/06/2035 |
| राहु | 17/08/2035 |

| मंगल - शनि | |
|---|---|
| 17/08/2035 | 25/09/2036 |
| शनि | 20/10/2035 |
| बुध | 16/12/2035 |
| केतु | 09/01/2036 |
| शुक्र | 16/03/2036 |
| सूर्य | 06/04/2036 |
| चंद्र | 09/05/2036 |
| मंगल | 02/06/2036 |
| राहु | 02/08/2036 |
| गुरु | 25/09/2036 |

| मंगल - बुध | |
|---|---|
| 25/09/2036 | 22/09/2037 |
| बुध | 15/11/2036 |
| केतु | 06/12/2036 |
| शुक्र | 05/02/2037 |
| सूर्य | 23/02/2037 |
| चंद्र | 25/03/2037 |
| मंगल | 15/04/2037 |
| राहु | 08/06/2037 |
| गुरु | 27/07/2037 |
| शनि | 22/09/2037 |

| मंगल - केतु | |
|---|---|
| 22/09/2037 | 18/02/2038 |
| केतु | 01/10/2037 |
| शुक्र | 26/10/2037 |
| सूर्य | 02/11/2037 |
| चंद्र | 14/11/2037 |
| मंगल | 23/11/2037 |
| राहु | 15/12/2037 |
| गुरु | 04/01/2038 |
| शनि | 28/01/2038 |
| बुध | 18/02/2038 |

| मंगल - शुक्र | |
|---|---|
| 18/02/2038 | 20/04/2039 |
| शुक्र | 30/04/2038 |
| सूर्य | 21/05/2038 |
| चंद्र | 26/06/2038 |
| मंगल | 21/07/2038 |
| राहु | 23/09/2038 |
| गुरु | 19/11/2038 |
| शनि | 25/01/2039 |
| बुध | 26/03/2039 |
| केतु | 20/04/2039 |

| मंगल - सूर्य | |
|---|---|
| 20/04/2039 | 26/08/2039 |
| सूर्य | 27/04/2039 |
| चंद्र | 07/05/2039 |
| मंगल | 15/05/2039 |
| राहु | 03/06/2039 |
| गुरु | 20/06/2039 |
| शनि | 10/07/2039 |
| बुध | 28/07/2039 |
| केतु | 05/08/2039 |
| शुक्र | 26/08/2039 |

| मंगल - चंद्र | |
|---|---|
| 26/08/2039 | 26/03/2040 |
| चंद्र | 13/09/2039 |
| मंगल | 25/09/2039 |
| राहु | 27/10/2039 |
| गुरु | 25/11/2039 |
| शनि | 28/12/2039 |
| बुध | 28/01/2040 |
| केतु | 09/02/2040 |
| शुक्र | 15/03/2040 |
| सूर्य | 26/03/2040 |

| राहु - राहु | |
|---|---|
| 26/03/2040 | 07/12/2042 |
| राहु | 21/08/2040 |
| गुरु | 31/12/2040 |
| शनि | 05/06/2041 |
| बुध | 22/10/2041 |
| केतु | 19/12/2041 |
| शुक्र | 01/06/2042 |
| सूर्य | 21/07/2042 |
| चंद्र | 11/10/2042 |
| मंगल | 07/12/2042 |

| राहु - गुरु | |
|---|---|
| 07/12/2042 | 02/05/2045 |
| गुरु | 03/04/2043 |
| शनि | 20/08/2043 |
| बुध | 22/12/2043 |
| केतु | 11/02/2044 |
| शुक्र | 06/07/2044 |
| सूर्य | 19/08/2044 |
| चंद्र | 31/10/2044 |
| मंगल | 21/12/2044 |
| राहु | 02/05/2045 |

| राहु - शनि | |
|---|---|
| 02/05/2045 | 08/03/2048 |
| शनि | 14/10/2045 |
| बुध | 10/03/2046 |
| केतु | 10/05/2046 |
| शुक्र | 30/10/2046 |
| सूर्य | 21/12/2046 |
| चंद्र | 18/03/2047 |
| मंगल | 18/05/2047 |
| राहु | 21/10/2047 |
| गुरु | 08/03/2048 |

| राहु - बुध | |
|---|---|
| 08/03/2048 | 25/09/2050 |
| बुध | 18/07/2048 |
| केतु | 10/09/2048 |
| शुक्र | 12/02/2049 |
| सूर्य | 31/03/2049 |
| चंद्र | 17/06/2049 |
| मंगल | 10/08/2049 |
| राहु | 28/12/2049 |
| गुरु | 01/05/2050 |
| शनि | 25/09/2050 |

| राहु - केतु | |
|---|---|
| 25/09/2050 | 14/10/2051 |
| केतु | 18/10/2050 |
| शुक्र | 21/12/2050 |
| सूर्य | 09/01/2051 |
| चंद्र | 10/02/2051 |
| मंगल | 04/03/2051 |
| राहु | 01/05/2051 |
| गुरु | 21/06/2051 |
| शनि | 20/08/2051 |
| बुध | 14/10/2051 |

| राहु - शुक्र | |
|---|---|
| 14/10/2051 | 14/10/2054 |
| शुक्र | 13/04/2052 |
| सूर्य | 07/06/2052 |
| चंद्र | 06/09/2052 |
| मंगल | 09/11/2052 |
| राहु | 23/04/2053 |
| गुरु | 16/09/2053 |
| शनि | 08/03/2054 |
| बुध | 11/08/2054 |
| केतु | 14/10/2054 |

| राहु - सूर्य | |
|---|---|
| 14/10/2054 | 07/09/2055 |
| सूर्य | 30/10/2054 |
| चंद्र | 26/11/2054 |
| मंगल | 16/12/2054 |
| राहु | 03/02/2055 |
| गुरु | 19/03/2055 |
| शनि | 10/05/2055 |
| बुध | 25/06/2055 |
| केतु | 14/07/2055 |
| शुक्र | 07/09/2055 |

| राहु - चंद्र | |
|---|---|
| 07/09/2055 | 08/03/2057 |
| चंद्र | 23/10/2055 |
| मंगल | 24/11/2055 |
| राहु | 14/02/2056 |
| गुरु | 27/04/2056 |
| शनि | 23/07/2056 |
| बुध | 08/10/2056 |
| केतु | 09/11/2056 |
| शुक्र | 09/02/2057 |
| सूर्य | 08/03/2057 |